



धरती के शृंगार पेड़ हैं,
जीवन के आधार पेड़ हैं।

जंगल के परिवार पेड़ हैं,
पंछी के घर—बार पेड़ हैं।

धरती के उपहार पेड़ हैं,
खुशहाली के द्वार पेड़ हैं।

पेड़ हमें छाया देते हैं
स्वयं शीत—गर्मी सहते हैं,
बिना मुकुट के राजा हैं ये
कितने मनमोहक लगते हैं।

जहाँ पेड़ हैं, शीतलता है
शीतलता से मेघ बरसते,
सूखी धरती हरियाती है
ताल—तलैया सारे भरते।

स्वस्थ बनाते, श्रम हर लेते
हमें फूल, फल मेवे देते,
करते हैं सम्पन्न सभी को
पर न किसी से कुछ भी लेते।

करते नित उपकार पेड़ हैं,
सेवा के अवतार पेड़ हैं।



शिक्षण संकेत

पाठ पढ़ाने से पूर्व चर्चा कीजिए कि पेड़ किस तरह पर्यावरण—प्रदूषण को रोकने में सहायक हैं एवं जीवन दायिनी गैस प्रदान करते हैं। साथ ही वर्षा कराने में और रेगिस्तान रोकने में सहायक होते हैं। वृक्षारोपण के महत्त्व को समझाएँ।

अभ्यास—कार्य

शब्द—अर्थ

शृंगार	—	सजावट
शीत	—	ठंडा
मनमोहक	—	सुंदर, मन को भाने वाला
पंछी	—	पक्षी
उपहार	—	भेंट, सौगात
उपकार	—	भलाई

उच्चारण के लिए

शृंगार, स्वस्थ, श्रम, सम्पन्न, तलैया

सोचें और बताएँ

1. धरती का शृंगार किसे बताया गया है ?
2. पेड़ को कैसा राजा बताया गया है ?
3. पेड़ों को किसका अवतार माना गया है ?

लिखें

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए

(क) पेड़ हमें छाया देते हैं

.....,

बिना मुकुट के राजा हैं ये,

..... ।

(ख) जहाँ पेड़ हैं

..... मेघ बरसते ,

सूखी धरती,

ताल-तलैया सारे भरते ।

2. सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखें

(क) हमारे जीवन के आधार हैं—

(अ) कपड़े

(ब) पेड़

(स) पत्ते

(द) घर

()

(ख) पेड़ हमेशा कार्य करते हैं—

(अ) दुःखी करने का

(ब) खुशहाली का

(स) उपकार करने का

(द) खड़े रहने का

()

3. जहाँ पेड़ हैं वहाँ क्या है ?

4. पेड़ किसके घर-बार है ?

5. पेड़ हमारे लिए क्या-क्या करते हैं ?

भाषा की बात

- पाठ में शीत और गर्मी शब्द आए हैं। ये एक-दूसरे का विपरीत अर्थ दे रहे हैं। नीचे दिए गए शब्दों के विपरीत अर्थ वाले शब्द लिखें।

छाया	ऊपर
राजा	छोटा
सूखी	पक्का
भरा	अंदर
दूर	उजाला.....

चर्चा करें

- दो-दो के समूह बनाकर चर्चा करो कि हमें पेड़ों से क्या-क्या फायदे हैं ?

यह भी करें

- तुम्हें पेड़ कैसे लगते हैं, और क्यों ?
- अगर पेड़ नहीं होते तो क्या होता ?
- पेड़ की छाया कब अच्छी लगती है ?
- आपके आस-पास पाए जाने वाले पेड़ों के नाम 'मेरा संकलन' में लिखिए—

जीवन का आधार पेड़ हैं, धरती का शृंगार पेड़ हैं।